देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 163 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
जांच की निष्पक्षता

पेज श्री

देहरादून, बुधवार, 2 अक्टूबर 2024

मौसम अधिकतम 30.0° न्यूनतम 21.0° | 79924.77 | 2 किशिदा ने कैबिनेट के साथ दिया इस्तीफा | 7 रोहित की कप्तानी में भारत का कारनामा

कांग्रेस दलालों और दामादों की पार्टी: पीएम

पलवल की रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने साधा बड़ा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पलवल। हरियाणा विधानसभा चुनावों के अंतिम दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलवल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस सभा में पीएम मोदी ने कांग्रेस के ऊपर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। जैसे ही कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी दलितों का आरक्षण खींच लिया। यही कांग्रेस है जिसने अनेकों स्कूल, कोलेज को माइनोरिटी संस्थान घोषित कर दिया। कांग्रेस ने वोट बैंक की खातिर हजारों संस्थाओं को माइनोरिटी बना दिया। कांग्रेस ऐसे ही काम हरियाणा में करना चाहती है। पीएम मोदी ने कहा कि भीड़ की ओर देखते हुए कहा कि उत्साह और उमंग से भरा हुआ ये दृश्य, चुनाव के नतीजों का एहसास दिला रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, आज कांग्रेस यहां एमएसपी को लेकर बड़ी बड़ी बातें कर रही है। लेकिन कांग्रेस की सरकार यहां सिर्फ 3–4 फसलों पर एमएसपी देती थी। जबकि भाजपा सरकार 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही है। पिछले 8 सीजन में एमएसपी के रूप में यहां के लाखों किसानों को 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में मिली है।

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस की नस–नस में भ्रष्टाचार दौड़ता है। ये दलालों और दामादों की पार्टी बन गई है। कांग्रेस के राज में यहां जमीन की दलाली करने वाले मालामाल हो गए। जबकि किसान को सिर्फ 2 रुपये का मुआवजा मिला। पीएम मोदी बोले, कांग्रेस ने देश के लिए जरूरी हर विषय को उलझाए रखा। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में संविधान पूरी तरह से लागू नहीं होने दिया। उसने हमारी बहनों को संसद और विधानसभा में आरक्षण से वंचित रखा। उसने हमारी मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की समस्या में उलझाए रखा। कांग्रेस ने देश की, देशवासियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया बल्कि अपने परिवार को स्थापित करने में पूरी शक्ति लगा दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, हम परिणाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि कांग्रेस कभी भी खुद मेहनत नहीं करती।

सभी मतदाता अपना वोट जरूर डालें: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, हरियाणा में तो चुनाव अभियान चल रहा है, लेकिन जम्मू–कश्मीर में अंतिम चरण का मतदान हो रहा है। वहां बहुत भारी संख्या में लोग लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा ले रहे हैं। मैं जम्मू–कश्मीर के सभी मतदाताओं से कहूंगा कि वे अपना वोट जरूर डालें।

कोई नहीं छीन पाएगा आरक्षण

पीएम मोदी ने आगे कहा कि साथियों जब तक बीजेपी है, जब तक मोदी है ऐसे एससी, ओबीएस समाज से आरक्षण का हक कोई नही छीन सकते। पीएम मोदी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने कहा हरियाणा की धरती ने गीता का संदेश दिया। लेकिन कांग्रेस की राजनीति केवल झूठे वादों तक सीमित रहती है जबकि बीजेपी मेहनत और परिणाम पर ध्यान केंद्रित करती है। पीएम मोदी ने कहा कि यहां हरियाणा में कांग्रेस के भीतर जो कलह मची है, उसे भी यहां के लोग देख रहे हैं। कांग्रेस से सबसे अधिक नाराजगी तो दलित, पिछड़े, वंचित समाज की है। दलित समाज ने भी ठान लिया है कि वो बापू–बेटे की राजनीति को चमकाने का मोहरा नहीं बनेंगे।

केंद्र के साथ रहता है हरियाणा

पीएम मोदी ने कहा कि रियाणा ने हमें सिखाया है कि काम करो, मेहनत से करो। कांग्रेस का फॉर्मूला है– ना काम करो और ना दूसरों को काम करने दो। कांग्रेस की राजनीति केवल झूठे वादों तक सीमित रहती है, जबकि भाजपा की राजनीति मेहनत और परिणामों पर टिकी है। पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा का तो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि केंद्र में जिसकी सरकार रहती है, हरियाणा में भी उसी की सरकार बनती है। आपने दिल्ली में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई, अब यहां हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा सरकार बनाना आप लोगों ने तय कर लिया है। हरियाणा का तो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि केंद्र में जिसकी सरकार रहती है, हरियाणा में भी उसी की सरकार बनती है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू–कश्मीर में तीसरे फेज में 5 बजे तक 65.48 प्रतिशत वोटिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जम्मू–कश्मीर। जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण में मंगलवार को सात जिलों के 40 निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 17.00 बजे तक औसतन 65.48 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान सर्वाधिक वोट छंब विधानसभा सीट पर डाले गए। उधमपुर जिले में सबसे अधिक 72.91 प्रतिशत और बारामूला में सबसे कम 55.73 प्रतिशत मतदान हुआ।

राम रहीम के पैरोल विवाद में रॉबर्ट वाड्रा की एंट्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 20 दिनों की पैरोल मिलने का विरोध शुरू हो गया है। रॉबर्ट वाड्रा ने भी मंगलवार को आरोप लगाया कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख और आप के केजरीवाल को हरियाणा विस चुनाव में प्रचार के लिए जेल से बाहर लाने के पीछे भाजपा का हाथ है।

अब लेबनान में घुसे इजरायली सेना के टैंक

हिजबुल्लाह को कुचल डालने की तैयारी में पीएम नेतन्याहू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेरुत। इजरायल ने लेबनान के ऊपर जमीनी बोल दिया है। इजरायली सैनिक सोमवार की रात टैंकों के साथ दक्षिणी लेबनान में घुस गए और हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। इजरायल की सेना ने मंगलवार सुबह अभियान के बारे में जानकारी दी। आईडीएफ ने बताया कि उसके सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ सीमित, स्थानीय और टारगेटेड जमीनी हमला शुरू किया है।

इसके पहले इजरायल ने साल 2006 में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान चलाने के लिए सेना भेजी थी। आईडीएफ ने कहा है कि उसका वर्तमान जमीनी हमला उत्तरी सीमा के निकट स्थित लेबनानी गांवों को निशाना बनाकर किया जा रहा है। इनका इस्तेमाल हिजबुल्लाह उत्तरी इजरायल पर हमला करने के लिए करता है। इजरायली वायु सेना और तोपखाना जमीनी हमले में सैनिकों की मदद कर रहे हैं।

सैन्य अभियान के बीच इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में नागरिकों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक लिटानी नदी के दक्षिणी इलाकों में वाहन न चलाएं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ खुद की रक्षा करने के इजरायल के अधिकार का समर्थन करते हैं। उन्होंने आगे कहा, इजरायल को हिजबुल्लाह के खिलाफ खुद की रक्षा करने का अधिकार है। ये हिजबुल्लाह ही था, जिसने 8 अक्टूबर को इजरायल पर हमले शुरू किए।

हिजबुल्लाह के बड़े नेता खत्म

लेबनान में जमीनी अभियान शुरू करने से पहले इजरायल ने हिजबुल्लाह के खिलाफ लेबनान में पिछले दो सप्ताह से बड़ा हवाई अभियान चला रखा है। इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के सभी शीर्ष नेता मारे जा चुके हैं। बीते शुक्रवार को इजरायल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह में हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर हमले में संगठन के प्रमुख हसन नसरल्लाह को खत्म कर दिया था। हिजबुल्लाह ने एक बयान में संगठन के नेता के मारे जाने की पुष्टि की थी।

चीन के साथ सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच जारी सैन्य गतिरोध पर मंगलवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर और संवेदनशील है, लेकिन सामान्य नहीं है। दोनों देशों के मध्य जुलाई और अगस्त महीने में दो दौर की कूटनीतिक वार्ता भी हो चुकी है। कूटनीतिक वार्ता के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। मगर जमीनी स्तर पर कूटनीतिक फैसले को लागू करना दोनों पक्षों के सैन्य कमांडरों पर निर्भर करता है। सेना प्रमुख मंगलवार को चाणक्य डिफेंस डॉयलॉग को संबोधित कर रहे थे।

सेना प्रमुख ने कहा, जहां तक चीन का सवाल है, यह काफी समय से हमारे दिमाग में कौंध रहा है। मैं कहता रहा हूं कि चीन के साथ आपको प्रतिस्पर्धा करनी होगी। आपको सहयोग करना होगा। आपको सह–अस्तित्व में रहना होगा।

बयान

■सैन्य गतिरोध पर सेना प्रमुख का बड़ा बयान

सेना पूरी तरह से तैयार है

सेना प्रमुख ने कहा, हम चाहते हैं कि अप्रैल 2020 से पहले वाली स्थिति बहाल नहीं होती है तब तक संवेदनशीलता बनी रहेगी। सेना किसी भी तरह की आकस्मिक स्थिति का सामना करने को पूरी तरह तैयार हैं।

टकराव करना होगा और मुकाबला करना होगा। भारत और चीन के बीच सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था। अभी तक यह गतिरोध जारी है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के रिश्ते बेहद बिगड़ गए। भारत स्पष्ट कह चुका है कि जब तक सीमा पर गतिरोध खत्म नहीं होगा तब तक चीन के साथ रिश्ते सामान्य नहीं होंगे।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

मंदिर हो या दरगाह कोई बाधा नहीं डाल सकता

■बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। यूपी समेत तमाम राज्यों में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट में फिर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और सड़क, जल निकायों या रेल पटरियों पर अतिक्रमण करने वाले किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ कहा कि बुलडोजर एक्शन पर रोक का उसका अंतरिम आदेश पूरे देश में जारी रहेगा।

कोर्ट ने ये भी कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और बुलडोजर कार्रवाई और अतिक्रमण विरोधी अभियान के लिए उसके निर्देश सभी नागरिकों के लिए होंगे, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ अपराध के आरोपी लोगों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। कई राज्यों में प्रचलित इस प्रवृत्ति को अक्सर ‘बुलडोजर न्याय’ कहा जाता है। राज्य के अधिकारियों ने अतीत में कहा है कि ऐसे मामलों में केवल अवैध संरचनाओं को ही ध्वस्त किया जाता है।

न्यूज डायरी

जापानी पीएम फुमियो किशिदा ने कैबिनेट के साथ दिया इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान में बड़ी राजनीतिक हलचल देखने को मिली है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल के साथ इस्तीफा दे दिया। किशिदा ने 2021 में पदभार संभाला था, लेकिन वे इसलिए पद छोड़ रहे हैं ताकि उनकी पार्टी को एक नया नेता मिल सके, क्योंकि उनकी सरकार घोटालों से घिरी हुई है। किशिदा के बाद अब उनके संभावित उत्तराधिकारी शिगेरु इशिबा के पदभार संभालने का रास्ता साफ हो गया। इशिबा ने 27 अक्टूबर को संसदीय चुनाव कराने की योजना बनाई है, जिसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री के रूप में चुना जाएगा। इशिबा ने अचानक चुनाव कराने की अपनी योजना की घोषणा करते हुए कहा, मेरा मानना है कि नए प्रशासन को जल्द से जल्द जनता का फैसला मिलना जरूरी है। विपक्षी दलों ने इशिबा की आलोचना की कि उन्होंने मतदान से पहले संसद में अपनी नीतियों की जांच और चर्चा के लिए केवल कुछ समय दिया। इशिबा को शुक्रवार को किशिदा की जगह लेने के लिए लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नेता चुना गया, जिन्होंने अगस्त में घोषणा की थी कि वह अपने तीन साल के कार्यकाल के अंत में इस्तीफा दे देंगे।

गाजा और लेबनान में हमले रोकने के लिए तुर्की के राष्ट्रपति ने की बड़ी मांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। तुर्की के राष्ट्रपति तैय्यप एर्दोगन ने गाजा और लेबनान में इजरायल के हमलों को तुरंत रोकने की अपील की है। एर्दोगन ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अगर गाजा और लेबनान में इजरायल के हमलों को रोकने में कामयाब नहीं हो रही है तो फिर इससे आगे बढ़ते हुए कदम उठाए जाएं। इजरायल नहीं रुक रहा है तो संयुक्त राष्ट्र महासभा को तुरंत 1950 में पारित प्रस्ताव के मुताबिक इजरायल के खिलाफ सेना के इस्तेमाल की सिफारिश करनी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार अंकारा में एक कैबिनेट बैठक के बाद एर्दोगन ने कहा, अगर सुरक्षा परिषद जरूरी इच्छाशक्ति नहीं दिखाती है, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा को बल के उपयोग की सिफारिश करने के अधिकार को तेजी से लागू करना चाहिए। एर्दोगन ने कहा कि गाजा में इजरायल ने भारी तबाही मचाई और अब वही लेबनान में शुरू हो गया है। ये सब रुकना बहुत ज्यादा जरूरी है। एर्दोगन ने इस दौरान कहा कि हमारे क्षेत्र में रहने वाले सभी मुस्लिम, यहूदी और ईसाइयों के लिए हम शांति की चाह रखते हैं। हम शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मुस्लिम दुनिया से एकजुट होने का आह्वान करते हैं। एर्दोगन ने कहा कि इजरायल का आक्रामक रवैया बढ़ता जा रहा है, अगर उसे जल्दी नहीं रोका गया तो उसके हमले दूसरे मुस्लिम देशों को भी निशाना बनाएंगे।

दुनिया का ये शहर तोतों से लड़ रहा जंग, बार-बार अंधेरे में डूब रहा इलाका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्यूनस एयर्स। अर्जेंटीना के पूर्वी अटलांटिक तट के पास बसा हिलारियो एस्कासुबी शहर बीते कुछ समय से एक अलग तरह की परेशानी का सामना कर रहा है। ये परेशानी शहर में बड़ी तादाद में तोतों के आने की वजह से हुई है। हजारों की तादाद में तोते जंगल से शहर में आ गए है, जो गंदगी फैलाकर, आवाज करके और तार काटकर आम लोगों की जिंदगी मुश्किल बना रहे हैं। शहर के पास के वनों की अंधाधुंध कटाई के चलते हरे, पीले और रंग के ये पक्षी हजारों की तादाद में शहर में आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तोतों का झुंड बिजली के तारों को काट देते हैं, जिससे बिजली गुल हो जाती है तो कभी फोन और इंटरनेट के तारों को अलग कर देते हैं। इससे रोज शहर में कोई ना कोई परेशानी खड़ी होती रहती है। स्थानीय पत्रकार रामोन अल्वारेज का कहना है कि तोते किसी ना किसी तरह से दैनिक जीवन में कई तरह की परेशानियां खड़ी कर रहे हैं। रामोन के मुताबिक, तोतों को डराने और भगाने का लिए स्थानीय निवासियों ने कई तरह के तरीके अपनाएं हैं। तोतों को डराने वाली आवाज और लेजर लाइट का इस्तेमाल कर इन्हें भगाने की कोशिश की गई लेकिन ये सभी तरकीबें फेल साबित हुई हैं। लोगों की रोजाना की जिंदगी में तोतों की वजह से परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। जीवविज्ञानियों के अनुसार, आसपास की पहाड़ियों में दूर तक वन फैले हुए थें। इन वनों में ये पक्षी बहुत बड़ी तादाद में वर्षों से रहते आए हैं।

हिजबुल्लाह ने बनाया था 7 अक्टूबर जैसे हमले का प्लान: आईडीएफ

हमला

हूतियों का तेल अवीव पर ड्रोन हमले का दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेरूत। लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ जमीनी अभियान शुरू करने के बाद आईडीएफ प्रवक्ता डैनियर हगारी ने कहा कि ईरान समर्थित चरमपंथी समूह की योजना सीमा के पास गावों का 7 अक्टूबर की तरह इजरायल पर हमला करने के लिए इस्तेमाल करने की थी। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह ने इजरायली सीमा के पास स्थित लेबनानी गांवों को इजरायल पर हमला करने के लिए सैन्य ठिकानों में बदल दिया है। हगारी ने कहा, आतंकी समूह ने इजरायल पर हमला करने, इजरायली समुदायों पर हमला करने और निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों का नरसंहार करने की योजना बनाई थी। इसे गैलिली पर जीतश नाम दिया गया था। आईडीएफ प्रवक्ता ने कहा कि हम 7 अक्टूबर को अपनी सीमा पर दोबारा नहीं होने देंगे।

यमन के हूती चरमपंथियों के इजरायल के तेल अवीव और ईलात पर ड्रोन हमल का दावा किया है। हूती प्रवक्ता याह्या सारी ने एक टेलीविजन भाषण में कहा कि यमनी विद्रोहियों ने आज तेल अवीव और ईलात में इजरायली सैन्य चौकियों को ड्रोन से निशाना बनाया। आईडीएफ ने सुबह बताया था कि वायु सेना ने भूमध्य सागर के ऊपर इजरायली तट से दर्जनों किलोमीटर दूर एक यूएवी को रोका था।

इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्विर ने लेबनान में सैन्य अभियान को समर्थन करते कहा, यह हिजबुल्लाह को कुचल डालने का समय है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में हमने जो फैसले लिए हैं, वे महत्वपूर्ण, सही और आवश्यक हैं। साथ ही यह समय रुकने का नहीं है। हमें अपनी पूरी ताकत से सब कुछ करते रहना चाहिए। ग्विर ने आगे कहा, मैं आईडीएफ के सैनिकों की सफलता के लिए प्रार्थना करता हूं जो वर्तमान में दक्षिणी लेबनान में कठिन परिस्थितियों में लड़ रहे हैं। इजरायल के लोग उनके पीछे खड़े हैं। इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में नागरिकों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक लिटानी नदी के दक्षिणी इलाकों में वाहन लेकर न जाएं। आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता अवीचाई एड्रेई ने एक्स पर कहा, दक्षिणी लेबनान में भीषण लड़ाई चल रही है, जिसमें हिजबुल्लाह के ऑपरेटिव नागरिक परिवेश और आपको मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर हमलों को अंजाम दे रहे हैं। आपकी सुरक्षा के लिए हम आपसे लिटानी नदी के उत्तर से दक्षिण की ओर वाहनों में आवाजाही से बचने की अपील करते हैं।

आईडीएफ ने बेरूत के दहियाह इलाके में रात भर हवाई हमलों में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें हथियार उत्पादन सुविधाएं और सैन्य बुनियादी ढांचे शामिल हैं। इजरायली सेना ने कहा, हिजबुल्लाह जानबूझकर बेरूत के बीच में अपने हथियार उत्पादन और सैन्य स्थलों का निर्माण करता है और उन्हें शहर के आबादी वाले केंद्रों में स्थापित करता है।

पाकिस्तान में मिल रही आईएस आतंकियों को पनाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और सेना को जमकर खरीखोटी सुनाते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। तालिबान ने इस्लामिक स्टेट से जुड़े कुछ लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। तालिबान का कहना है कि आईएस के जो लड़ाके उनके सुरक्षाबलों ने पकड़े हैं, उनको पाकिस्तान के एक शिविर में अफगानिस्तान में घुसपैठ की ट्रेनिंग दी गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने सोमवार को कहा कि तालिबान अधिकारियों ने अफगानिस्तान में हाल में ही में हुए घातक हमलों के लिए जिम्मेदार इस्लामिक स्टेट समूह के प्रमुख सदस्यों को पकड़ लिया है। जांच में सामने आया है कि इस संगठन के लोगों को पनाह पड़ोसी पाकिस्तान में मिल रही है।

तालिबान ने 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता में वापस के बाद से इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएस-के) की तरफ से सुरक्षा के मुद्दे पर खतरे का सामना किया है। आईएस-के की ओर से हाल ही में अफगानिस्तान में गोलीबारी और हमलों को अंजाम दिया गया था। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा, विशेष बलों ने उनको पकड़ लिया है, जिनसे जुड़े लोगों ने काबुल में आत्मघाती बम विस्फोट किए थे।

हिजबुल्लाह के आतंकियों की तलाश में जुटी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। इजरायल की सेना लेबनान की सीमा में दाखिल हो चुकी है। लेबनान में इजरायली सेना ने सैन्य कार्रवाई को अंजाम देना शुरू कर दिया है। इजरायल ने यह जानकारी अमेरिका को भी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं को बताया, उन्होंने (इजरायल) हमें बताया है कि वे वर्तमान में सीमा के निकट हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर सीमित अभियान चला रहे हैं। अमेरिका ने आगे बताया कि इजरायल ने लेबनान में जमीनी सेना भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, यह सैन्य कार्रवाई बड़ी होने वाली है या छोटी, इस बात की जानकारी अमेरिका ने नहीं दी है। बता दें कि इजरायली सेना के लेबनान में दाखिल होने की आधिकारिक जानकारी इजरायल ने अभी तक नहीं दी है।

दुर्गा पूजा को मंजूरी मिलेगी या नहीं, बांग्लादेश ने कर दिया साफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के बाद बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने भारत को बांग्लादेश का सबसे बड़ा पड़ोसी बताया। हुसैन ने कहा कि भारत और बांग्लादेश एक-दूसरे के साथ अच्छे कामकाजी संबंध बनाए रखने पर सहमत हैं। हालांकि मुलाकात के दौरान शेख हसीना के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। जब तौहीद हुसैन से पूछा गया कि क्या बांग्लादेश में दुर्गा पूजा की अनुमति मिलेगी? तो उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में सदियों से दुर्गा पूजा होती आ रही है। ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जब दुर्गा पूजा नहीं हुई हो।

तौहीद हुसैन बोले- जयशंकर के साथ रचनात्मक बातचीत हुई

यह काफी अजीब है। हो सकता है कि कुछ लोग दुर्गा पूजा को पसंद न करें। इस देश में सदियों से दुर्गा पूजा की जाती रही है और ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जब दुर्गा पूजा नहीं हुई हो जो उपासक दुर्गा पूजा करना चाहते हैं, वह कर सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है।

हिंदुओं पर हमले के सवाल पर तौहीद ने कहा कि शेख हसीना के जाने के बाद बाद प्रशासन में शून्यता आ गई थी। कुछ स्थानों पर घटनाएं हुईं, मगर इसे हिंदू विरोधी आंदोलन की तरह देखना पूरी तरह से गलत होगा। आंदोलन के दौरान हुई हिंसा हिंदू या मुस्लिमों के खिलाफ नहीं थी। अधिक हिंसा अवामी लीग के वफादारों के खिलाफ हुई। अगर धर्म के आधार पर गणना करेंगे तो पता चलेगा कि हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों पर अधिक हमले हुए हैं। तौहीद हुसैन ने आगे कहा कि बांग्लादेश में सरकार गिरने के कुछ समय बाद ही दोनों देशों में व्यापार दोबारा से शुरू हो गया है। जिन परियोजनाओं पर काम चल रहा है, वे जारी रहेंगी। स्वीकृत समझौते पर भी अमल किया जाएगा।

तौहीद हुसैन ने कहा कि भारतीय वीजा कार्यालय अभी तक पूरी तरह से नहीं खुले हैं। यह भारत पर निर्भर करता है कि वह इसे कब खोलता है? भारत में बांग्लादेश आने वाले लोगों को वीजा हमारे कार्यालय जारी कर रहे हैं।

पाकिस्तान पहुंचते ही भगोड़े जाकिर नाइक ने उगला जहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत से भागकर मलेशिया में रह रहे इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक ने पाकिस्तान पहुंचते ही जहर उगलना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान में जाकिर नाइक यरुशलम स्थित अल अक्सा को इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल बताते हुए जिहाद के लिए उकसा रहा है। उसने इजरायल के खिलाफ जिहाद की वकालत करते हुए कहा कि यह तब तक जारी रहना चाहिए, जब तक आखिरी यहूदी को हटा नहीं दिया जाता। जाकिर नाइक ने पाकिस्तान टीवी पर धार्मिक मामलों के मंत्रालय के कार्यक्रम में ये नफरत फैलाने वाली बातें कहीं।

जाकिर नाइक ने कहा कि आज जो मुसलमान गाजा में कर रहे हैं, मेरे हिसाब से वह फर्ज के साथ हैं। वे दुनिया में इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल अल अक्सा की रक्षा कर रहे हैं। अगर वे नहीं करेंगे तो यह हम पर फर्ज होगा।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous

Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

शिकायतों को संबंधित विभागों को त्वरित गति से निराकरण करने के निर्देश

तहसील दिवस

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान के लिए किया गया तहसील दिवस का आयोजन

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। क्षेत्रीय जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में माह के प्रथम मंगलवार को खंड विकास कार्यालय ऊखीमठ के सभागार कक्ष में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा कुल 36 शिकायतें दर्ज की गई। प्राप्त शिकायतों में 17 का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

तहसील दिवस के अवसर पर कनिष्ठ उप प्रमुख ऊखीमठ शैलेंद्र कोटवाल ने भीम बली से गरुड़चट्टी तक नया रास्ता निर्माण करने की मांग की। मक्कू के प्रधान विजयपाल सिंह नेगी ने देहरादून, ऋषिकेश से तृतीय केदार शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ तक परिवहन विभाग की बस सेवा संचालित करने तथा राजकीय इंटर कॉलेज मक्कू को परिषदीय परीक्षा केंद्र यथावत रखने की मांग की। किमांणा के प्रधान संदीप सिंह पुष्पवान ने ऊखीमठ–किमांणा मोटर मार्ग से मनसूना मदमहेश्वर जाने वाले वाहनों हेतु ऊखीमठ बाजार में जाम की स्थिति को देखते हुए जिला योजना से बायपास मार्ग का आंगणन गठित करने की मांग की। राज्य आंदोलनकारी कुंवर सिंह रावत ने आपदा से क्षतिग्रस्त केदारनाथ फाटा बडासू मार्ग के पुनः संचालन करने की मांग की। निवर्तमान अध्यक्ष नगर पंचायत ऊखीमठ विजय राणा ने पशु चिकित्सालय निर्माण सहित नगर क्षेत्र में बंदरों का आतंक आदि समस्याओं से अवगत कराया। पूर्व प्रधान शशि सेमवाल ने जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइनों में लापरवाही बरतने तथा ताला–दुर्गाधार मोटर पुल का ट्रीटमेंट करने के संबंध में अवगत कराया। ऊखीमठ निवासी महावीर सिंह ने पठाली–पल्द्वाड़ी मोटर मार्ग पर पुल के पिलरों का भरान करने तोणीधार–पैलिंग मोटर मार्ग के तीन स्थानों पर आरसीसी करवाने तथा ऊखीमठ बाजार में पानी की समस्या से अवगत कराया।

पठाली निवासी प्रहलाद सिंह राणा ने थाने से लेकर पोस्ट आफिस ऊखीमठ तक नाली का सुधारीकरण करने की मांग की। खड़िया, खाट, बड़ासू, मैखंडा जामू गांवों के प्रतिनिधियों द्वारा नागताल झील के सौंदर्याकरण एवं कैट प्लान के तहत विकास कार्य करवाए जाने की मांग की। नगर व्यापार मंडल ऊखीमठ के पदाधिकारियों ने नगर पंचायत के अंतर्गत मंदिर मार्ग बाजार स्थित गदेरे पर सुरक्षा दीवार लगाने की मांग की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने तहसील दिवस में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तहसील दिवस में जनप्रतिनिधियों एवं आम जनमानस द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई गई हैं उन समस्याओं का यथाशीघ्र समयावधि के अंतर्गत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि सरकार की मंशा है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत व्यक्तियों की जो भी समस्याएं हैं उनका तत्परता से निराकरण करना सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह से कोई लापरवाही एवं ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन आवेदन पत्रों पर योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया जाना है उनका तत्परता से निरीक्षण कर उसकी जानकारी एवं जो भी प्रस्ताव तैयार किया जाना है उसका आंकलन यथाशीघ्र उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

महात्मा गांधी जयंती पर सभी कार्यालयों में प्रातः 8 बजे फहराया जाएगा ध्वज

संवाददाता रुद्रप्रयाग। पूर्व की भांति इस वर्ष भी 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर समस्त शासकीय भवनों में प्रातः 8 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इस दौरान गांधी जी के चित्र का अनावरण कर माल्यार्पण करने के साथ ही उनके जीवन संघर्ष, देश सेवा एवं जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला जाएगा।

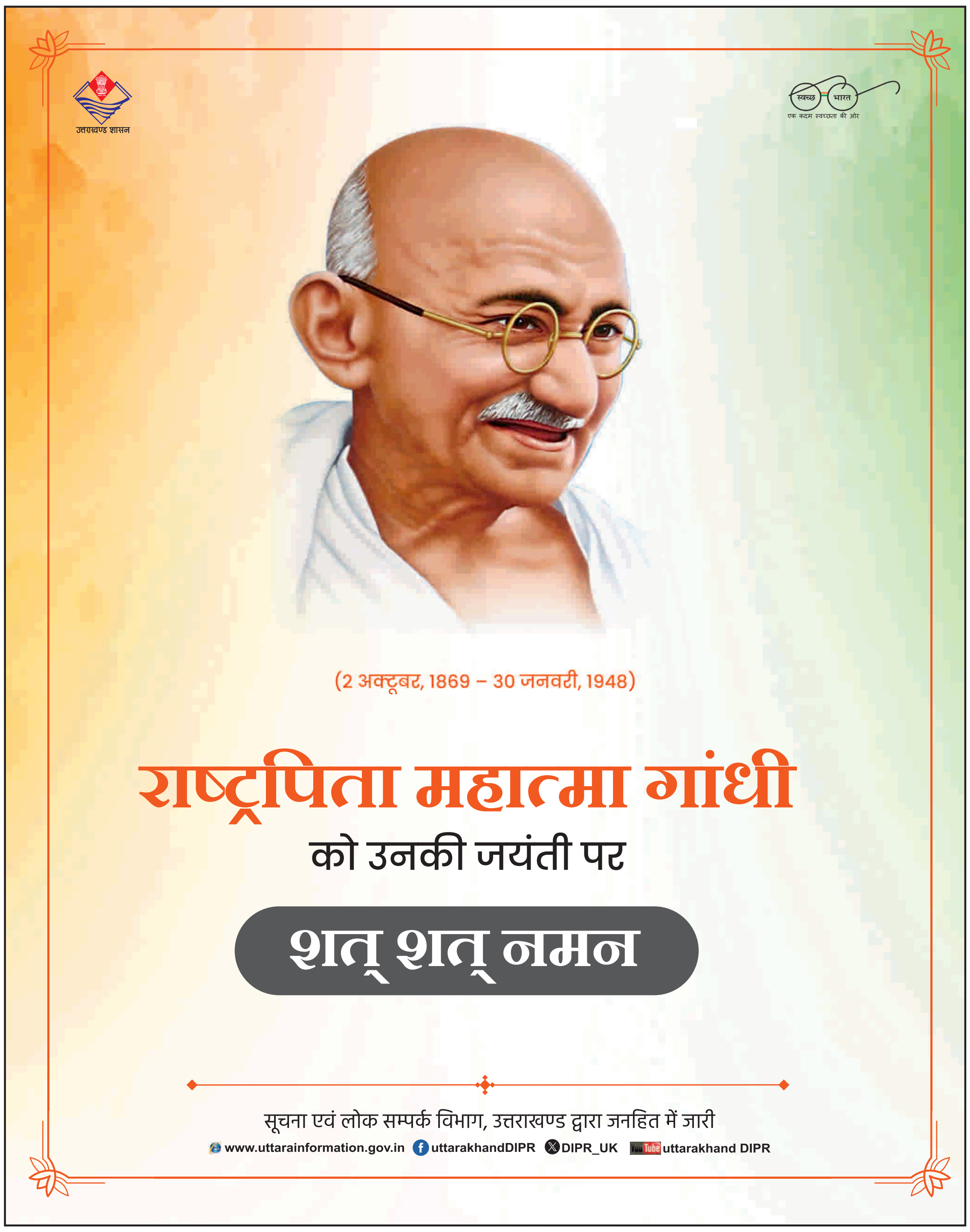

जन जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

संवाददाता पुरोला। शहरी विकास विभाग उत्तराखंड, जिलाधिकारी उत्तरकाशी एवं प्रशासक के निर्देशों के क्रम में नगर पालिका परिषद पुरोला में स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता के तहत स्वच्छता के प्रति जन–भागीदारी के साथ एक जन जागरूकता शिविर का मंगलवार को आयोजन किया गया, जिसमें अक्टूबर तक नगर में सफाई यात्रा एवं जागरूकता रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में स्टेडियम पुरोला से कमल नदी के दोनों और से सफाई अभियान भी चलाया गया एवं स्वच्छता ही सेवा जागरूकता रैली एवं शपथ का आयोजन किया गया। इस रैली में विभिन्न विद्यालयों सैकड़ों छात्रों ने हिस्सा लिया। रैली का शुभारंभ भूपाल सिंह कार्की, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजकुमार वरिष्ठ सहायक नगर पालिका परिषद पुरोला द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया ।

पुलिस ने दो मामलों में ठगी करने वाले तीन साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

अर्जुन सिंह भंडारी

पिथौरागढ़। पुलिस कप्तान रेखा यादव के निर्देशन में जनपद पुलिस साइबर ठगों पर लगातार शिकंजा कस रही है। जिस क्रम में पुलिस ने दो मामलों में ठगी करने वाले तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार विगत वर्ष 2023 में एक व्यक्ति द्वारा कोतवाली पिथौरागढ़ में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनके द्वारा जरोधा ऐप्लीकेशन के कस्टर केयर नम्बर के लिए गूगल पर सर्च किया, और हैल्प लाइन नम्बर (08250248233) प्राप्त कर संपर्क स्थापित किया, जिसमें सन्तोष कुमार नाम के व्यक्ति ने अपनी बातों का झाँसा देकर फोन पर एनी डेस्क एप डाउनलोड करवाया उसके पश्चात उनके खाते से अलग– अलग ट्रांजक्सन कर 99 हजार रूपये निकाल लिये। कोतवाली पिथौरागढ़ में अज्ञात अभियुक्त के विरूद्ध कोतवाली पिथौरागढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया।

उक्त मामले में विवेचना के दौरान दो लोग भीमसेन पुत्र लाल सिंह निवासी सिद्धपुरा, चितोरा भिंड मध्य प्रदेश तथा नाथू राम जाटव पुत्र हरदयाल निवासी चितोरा गोहड़ भिंड मध्य प्रदेश का नाम प्रकाश में आया, उ0नि0 हरीश सिंह कोरंगा (चौकी प्रभारी पनार), हे0 का0 गंगा सिंह, हे0 का0 सूर्य प्रकाश द्वारा टैक्निकल टीम उ0नि0 मनोज पाण्डेय साईबर सैल टीम की मदद से दोनों अभियुक्तों को तस्दीक कर गिरफ्तार किया गया। वहीं जनपद पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के दूसरे मामले में एक अन्य अभियुक्त ल मनोज कुमार दास पुत्र मनमथ दास निवासी दासभवन एस.पी. रोड कचुरा कुठी थाना पुण्डिबारी जिला कूचबिहार पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया है।

जांच की निष्पक्षता

जहां तक सवाल इस स्थिति को बदलने के लिए उठाए जाने वाले कदमों का है तो उस पर राय बंटी हुई है। एक खेमा विरोधियों और आरोप लगाने वालों का है जिनकी मांग है कि माधबी पुरी बुच को तत्काल सेबी चीफ का पद छोड़ देना चाहिए।

अनुज श्रीवास्तव।।

सेबी की प्रमुख माधबी पुरी बुच पर लगे रहे आरोपों का सिलसिला जैसे थमने का नाम नहीं ले रहा। हालांकि ये सब अभी आरोप ही हैं, जो साबित नहीं हुए हैं। इसके बावजूद इनसे संदेह का माहौल बन रहा है, जो ठीक नहीं है। भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है और यहां का शेयर बाजार भी दुनिया के शीर्ष मार्केट्स में शामिल है। बड़े पैमाने पर यहां विदेशी निवेशक पैसा लगाते आए हैं, जिसके समय के साथ और भी बढ़ने की आशा है।

याद किया जा सकता है कि सेबी प्रमुख के पद पर माधबी पुरी बुच की नियुक्ति की खबर अपने साथ काफी पॉजिटिविटी लेकर आई थी। वह इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला तो थीं ही, पहली बार प्राइवेट सेक्टर के किसी फाइनैंस प्रफेशनल को यह पद दिया गया था। जाहिर है, उनसे उम्मीदों का स्तर भी काफी ऊंचा था। ऐसे में उनका कार्यकाल जिस तरह के विवादों में घिरता दिख रहा है, वह वाकई निराशाजनक है।

जहां तक सवाल इस स्थिति को बदलने के लिए उठाए जाने वाले कदमों का है तो उस पर राय बंटी हुई है। एक खेमा विरोधियों और आरोप लगाने वालों का है जिनकी मांग है कि माधबी पुरी बुच को तत्काल सेबी चीफ का पद छोड़ देना चाहिए। दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और इस तरह पद छोड़ देने से विरोधियों के सामने घुटने टेक देने का संदेश जाएगा जो अच्छा नहीं है। लेकिन माधबी पुरी बुच की व्यक्तिगत छवि से ज्यादा बड़ा सवाल शेयर बाजार नियामक सेबी की साख और उसकी विश्वसनीयता का है।

अगर यह मान भी लिया जाए कि माधबी पुरी बुच पर लगाए गए सारे आरोप गलत हैं और जैसा कि उनका दावा है, उन्होंने सेबी प्रमुख के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह पूरी सचाई और ईमानदारी से किया है तो यह बात स्थापित कैसे होगी? निष्पक्ष जांच ही इसका एकमात्र रास्ता है। मगर जांच की निष्पक्षता तब तक सुनिश्चित नहीं की जा सकती जब तक कि माधबी पुरी बुच खुद सेबी प्रमुख के पद पर बैठी हैं।

समझना जरूरी है कि बाजार नियामक जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता जितनी ही जरूरी है उसकी निष्पक्ष छवि। इसलिए सेबी चीफ जैसे पद पर बैठे व्यक्ति को लेकर किसी विवाद की गुंजाइश न रहे तो बेहतर। इसके लिए बाजार के डगमगाने या लुढ़कने का इंतजार करना सही नहीं होगा। सीधी बात है, उनके ऊपर गंभीर आरोप लगाए गए हैं और उन्हें पद से अलग हटकर जांच का सामना करने का नैतिक साहस दिखाना चाहिए।

दर्शन

अशोक वोहरा। आप अपनी कावड़ यात्रा पुनः प्रारंभ करें। अभी आपका सफर लंबा है। भोलाराम वही घुटने के बल बैठ जाता है और हाथ जोड़कर महाकाल का आह्वान करके, जोर जोर से रोने लगता है और रोते हुए कहता है, "महाकाल मैं आपको पहचान नहीं पाया। कृपया मुझे दर्शन दीजिए। मैं जानता हूँ, साधु के भेष में, आप ही थे। मैं आपके लिए जल लाया हूँ और मैं आपको, जल पिलाए बिना यहाँ से नहीं जाऊँगा" और कुछ ही देर में, भोलाराम के सामने, से बड़े बड़े पेड़ों के पीछे अचानक पहाड़ी में मंदिर नजर आने लगता है। गांवों के सभी लोग मंदिर को देखकर दंग रह जाते हैं। मंदिर दिखते ही भोलाराम, कावड़ लेकर दौड़ पड़ता है और दोबारा उसी मंदिर में प्रवेश कर जाता है। गाँव के लोग पहाड़ी के नीचे खड़े होकर, महाकाल की महिमा देख रहे होते हैं। मंदिर रहस्यमयी था, जिसे आज से पहले किसी ने नहीं देखा था।

धर्म-दर्शन

....शेष कल

संपादकीय

वोट बैंक का असर

आम अनुभव यही है कि आज की तारीख में जातियों के होते हुए भी लोग काफी हद तक जातीय भेद को व्यवहार से निकाल चुके हैं। विश्व का शीर्ष विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर भारत के लिए सामाजिक एकता आवश्यक है। कुछ भारत विरोधी विदेशी शक्तियां समाज के अंदर फूट और तनाव पैदा करने की कई तरीके से कोशिश कर रही हैं। वर्तमान राजनीतिक स्थिति में बनाए गए माहौल के विपरीत जाने का साहस करना वोट की दृष्टि से जोखिम भरा हो सकता है। यही कारण है कि कल तक इसके विरुद्ध आवाज उठाने वाले नेता भी अब मौन हैं। भय है कि नेतागण वोट के लिए इसका दुरुपयोग करते हुए समाज को विभाजित करने की भूमिका न अपनाने लगें। उम्मीद करें कि देश के जिम्मेदार नेता अंततः रिपोर्ट को लेकर सकारात्मक सजग दृष्टि अपनाएंगे। आखिर हमारा अंतिम लक्ष्य जाति भेद से परे समतामूलक समाज का निर्माण है।

यह पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी विरोधी दलों में से ज्यादातर के लिए बड़ा मुद्दा था और उनका मानना है कि इसका असर मतदान पर हुआ। हालांकि अभी भी जाति गणना होनी चाहिए या नहीं, इसे लेकर देश में आम सहमति नहीं है।

सरकार के संकेत

अवधेश कुमार।।

केंद्र सरकार जनगणना आरंभ होने की तारीख की कभी भी घोषणा कर सकती है। मार्च 2026 तक इसकी रिपोर्ट आने की संभावना है। कायदे से जनगणना हर 10 वर्ष के क्रम से 2011 के बाद 2021 में होनी चाहिए थी। 2020 से आरंभ कोविड महामारी के कारण यह संभव नहीं हो सका। इस तरह यह विलंबित जनगणना होगी। इस बार की जनगणना को लेकर उत्सुकता इसलिए है कि पहले कुछ मंडलवादी दलों ने और बाद में कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने लगातार जाति जनगणना पर आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। यह पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी विरोधी दलों में से ज्यादातर के लिए बड़ा मुद्दा था और उनका मानना है कि इसका असर मतदान पर हुआ। हालांकि अभी भी जाति गणना होनी चाहिए या नहीं, इसे लेकर देश में आम सहमति नहीं है।

जाति जनगणना के पक्ष में मुख्य तर्क यह है कि इससे ही हमें सही आंकड़े प्राप्त होंगे। उन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण से लेकर अन्य कल्याणकारी योजनाएं बनेंगी तभी उनका लाभ उपयुक्त व्यक्तियों या समुदायों के पास पहुंच सकेगा। विरोधियों का तर्क है कि हमारे पास अनेक अध्ययनों से इसके पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं। दूसरी बात यह कि भारतीय समाज

काफी हद तक जातीय भेद से निकला है और यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है जिसे जाति जनगणना से धक्का लग सकता है।

नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से पिछले कुछ समय में दिए गए संकेत बता रहे हैं कि सरकार ने जनगणना के साथ जाति गणना करने का भी निर्णय लिया है। हालांकि इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, किंतु सूचनाएं हैं कि इसकी तैयारी चल रही है। कुछ कैबिनेट मंत्रियों के बयान भी इसके संकेत दे रहे हैं। चूंकि यह होना ही है, इसलिए इससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर फोकस करना आवश्यक है। 2011 की जनगणना के साथ जाति गणना भी की गई थी। यह बात अलग है कि आंतरिक मतभेद के कारण इसे जनगणना आयुक्त के बजाय ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत कराया गया और नाम दिया गया– सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण। इसकी रिपोर्ट जारी नहीं की गई। मोदी सरकार ने 2018 में रिपोर्ट जारी करने का मन बना लिया था। लेकिन विशेषज्ञों की समिति ने बताया कि यह इतना त्रुटिपूर्ण है कि इसे जारी करना संभव नहीं। हालांकि इस समय जाति गणना की मांग करने वाले कई दलों ने तब उसके जारी होने का विरोध किया था।

स्वतंत्रता के बाद इस मुद्दे पर बहस हुई कि क्या जनगणना के साथ हमें अंग्रेजों की तरह जातीय जनगणना भी करनी चाहिए। अंततः तय हुआ कि केवल दलित और जनजाति (जिन्हें सरकारी भाषा में अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति कहा जाता है) उनकी गणना कराई जाए क्योंकि उनके लिए आरक्षण की व्यवस्था है। जातीय गणना को तब के नेताओं ने अंग्रेजों की समाज में फूट डालने की नीति का हिस्सा मानकर उससे किनारा कर लिया।

सच भी यही है कि समाज को तोड़ने की दृष्टि से अंग्रेजों ने जातीय गणना कराई और उसे इस तरह पेश किया कि जिन्हें उसमें बैकवार्ड, शेड्यूल्ड कास्ट, शेड्यूल ट्राइब्स माना गया, उनके अंदर समाज से स्वयं को अलग देखने की सोच विकसित हो। इसका असर हुआ कि समाज का एक वर्ग स्वतंत्रता आंदोलन से ही विलग रहा। कांग्रेस पार्टी हमेशा जाति जनगणना के विरुद्ध रही। UPA सरकार बाहर से दिए जा रहे समर्थन पर आधारित थी।

सूडोकू नवताल-5319

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान दें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -5318 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

अपना ब्लॉग

बिहार में हुई गणना

मोहन। पिछले वर्ष बिहार की नीतीश सरकार ने जाति सर्वेक्षण के नाम से गणना करवाकर महात्मा गांधी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर को जारी कर दिया। इसके बाद बिहार के कई शहरों, कस्बों और गांवों में लोग कैमरे के सामने बता रहे थे कि उनके यहां कोई गणना करने आया ही नहीं। फिर भी वह रिपोर्ट सरकारी रेकॉर्ड में शामिल हो गई। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने भी 2015 में जातीय गणना कराई थी जो आज तक जारी नहीं हुई। राजनीति आज इतनी दोहरे आचरण का पर्याय बन चुकी है कि कोई काम स्वयं न करते हुए भी दूसरों पर उसके लिए दबाव डालकर हीरो बनने और वोट पाने की रणनीति अपनाई जाती है। भारत की जाति व्यवस्था इतनी जटिल है कि इसे समझने वाले मानते हैं, बिल्कुल निश्चित सुसंबद्ध रिपोर्ट जारी करना संभव नहीं होगा। 1931 में हुई पहली जाति गणना में देश में कुल जातियों की संख्या केवल 4,147 बताई गई थी। 2011 में हुई जाति गणना में कुल जातियों की संख्या 46 लाख से भी ज्यादा निकली। इसी तरह 1931 में महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी में आने वाली जातियों की संख्या 494 थी, जबकि 2011 में यह संख्या 4 लाख 28 हजार 677 पाई गई।

जयम रवि की पत्नी आरती पर सिंगर केनिशा ने लगाए बदसलूकी के आरोप

तमिल सुपरस्टार जयम रवि की निजी जिंदगी में इन दिनों बहुत कुछ हो रहा है। एक ओर जहां उन्होंने पत्नी आरती से अलग होने की घोषणा कर दी है, वहीं बीवी ने इससे इनकार किया है। दूसरी ओर, खबर आई कि आरती ने जयम रवि को घर से बाहर निकाल दिया है, जिस बाबत एक्टर ने पुलिस में शिकायत भी की है। अब सिंगर केनिशा फ्रांसिस ने आरोप लगाया है कि आरती ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया है। बीते दिनों ऐसी चर्चा शुरू हुई कि जयम रवि और केनिशा एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। सिंगर ने अपने ताजा इंटरव्यू में इस पर भी चुप्पी तोड़ी है। केनिशा फ्रांसिस ने साफ शब्दों में कहा है कि जयम रवि के साथ उनके किसी तरह के संबंध नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अफेयर की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है और यह सब मीडिया द्वारा बनाया गया है। केनिशा ने कहा, हमारे बीच किसी तरह के कोई शारीरिक संबंध नहीं रहे हैं। हम दोनों अपनी सीमाओं को समझते हैं। मैं खुद के दम पर बनी हूं और अब मेरे माता–पिता भी नहीं रहे। सिंगर और क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट ने आगे कहा, एक थेरेपिस्ट के तौर पर मैं आपको बता सकती हूं कि जयम रवि के परिवार ने मुझे जो दर्द दिया है, वह मेरे माता–पिता को खोने के दर्द से भी बड़ा है। आरती और उसके माता–पिता के साथ एक्टर के संघर्ष को जानना, मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।

यूट्यूबर एल्विश यादव और गायक फाजिलपुरिया की सम्पत्ति जब्त

प्रवर्तन निदेशालय (ईड) ने बिग बॉस ओटीटी 2 विनर एल्विश यादव और सिंगर फाजिलपुरिया की प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया है। खबर है कि सांप के जहर के अवैध व्यापार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा में मौजूद उनकी प्रॉपर्टी को जब्त किया है। कहा जा रहा है कि उनकी ये सम्पत्तियां पीएमएलए प्रावधानों के तहत जब्त की गई है। यादव और फाजिलपुरिया से पहले भी ईडी इस मामले में कई बार पूछताछ कर चुकी है। उनके बयान पहले ही रिकॉर्ड में हैं। नोएडा पुलिस ने पहले एल्विश यादव को सांप के जहर के अवैध व्यापार के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। बाद में ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।
पिछले काफी समय से एल्विश यादव रेव पार्टियों में सांपों के जहर की सप्लाई के गंभीर आरोपों से घिरे हैं। इस मामले में पुलिस से लेकर ईडी तक ने उनसे पूछताछ की है।

मंदिरा बेदी ने कराया अब तक का सबसे स्टनिंग फोटोशूट

मंदिरा बेदी ने अपना अब तक का सबसे स्टनिंग फोटोशूट कराया है। टीवी से लेकर फिल्मों तक में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकीं मंदिरा बेदी लंबे समय से स्क्रीन से गायब हैं। इन तस्वीरों में मंदिरा काफी मजबूत महिला की छवि बिखेरती नजर आ रही हैं। साल 1994 में दूरदर्शन के सीरियल शांति से मंदिरा ने घर–घर में अपनी पहचान बनाई। मंदिरा बेदी आज टीवी इंडस्ट्री के सफल सितारों में शामिल हैं। टीवी से फिल्मों तक का सफर तय करने वालीं मंदिरा बेदी क्रिकेट में कमेंटेटर से लेकर फैशन डिजाइनर के भी काम किए। स्मृति ईरानी से लेकर रॉनित रॉय और शाहरुख खान जैसे स्टार के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकीं एक्ट्रेस आज खुद में एक स्टाइल आइकन हैं। मंदिरा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में 52 साल की मंदिरा अपनी उम्र को मात देती दिख रही हैं। हर तस्वीर में वह कातिलाना दिख रही हैं। उनकी इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लोगों के होश उड़ा दिए हैं। लोगों ने उनकी इन तस्वीरों की जमकर तारीफ की है। हालांकि, कुछ लोगों ने कहा है– आज की मंदिरा 30 साल पहले शांति वाली मंदिरा पर भारी है। मंदिरा ने इस फोटोशूट की कुल 8 तस्वीरें शेयर की हैं। हर तस्वीर में उनका अंदाज एक–दूसरे से अलग दिख रहा है। इन तस्वीरों को देखकर लोगों ने भी खूब कॉमेंट दिए हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा जल्द ही ओटीटी पर रिलीज हो रही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अक्षय कुमार की हालिया फिल्म सरफिरा अब ओटीटी पर दस्तक देने आ रही है। फिल्म सिनेमा घरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। हालांकि, ये एक प्रेरणादायक कहानी है जिससे उम्मीद थी। लो कॉस्ट एयरलाइन को लॉन्च करने का बड़ा सपना देखने वाले मिडल क्लास आदमी वीर म्हात्रे की रियल कहानी को पर्दे पर उतारा गया। फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों तक जाने का तकलीफ न करने वाले अब इसका मजा घर बैठे ले सकते हैं।

सरफिरा 11 अक्टूबर से डिज्नी हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही

सुपरस्टार अक्षय कुमार की सरफिरा 11 अक्टूबर से डिज्नी हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसकी घोषणा आज गुरुवार को ही की है। यह फिल्म निर्देशक सुधा कोंगरा की सुपरहिट तमिल फिल्म सोरारई पोटः की हिंदी रीमेक है और इसमें सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। कोंगरा ने सरफिरा का भी निर्देशन किया है, जो इस साल जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सरफिरा एक सरफिरा इंसान की कहानी

फिल्म में परेश रावल और राधिका मदान ने भी अहम भूमिका निभाई है। श्सरफिराश एक सरफिरा इंसान की कहानी है जिसने बड़े सपने देखने और उसके लिए जी जान एक कर दी। इस फिल्म में वीर म्हात्रे की भूमिका अक्षय कुमार ने निभाई है।

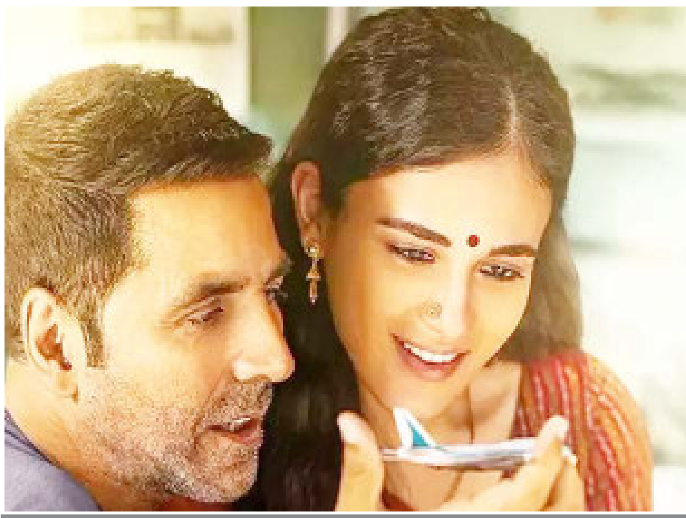

विमान दुर्घटना को टालने की कोशिश

फिल्म की कहानी की शुरुआत में वीर म्हात्रे अपने दोस्त के साथ एक इमरजेंसी लैंडिंग करवाकर विमान दुर्घटना को टालने से रोकते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। और फिर यहीं से कहानी फ्लैशबैक में चली जाती है। दिखाया जाता है कि वीर महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव में स्कूल मास्टर का बेटा है। बचपन से ही क्रांतिकारी सोच है।

आम पब्लिक के लिए सस्ती एयरलाइन की शुरुआत

पहले तो वह अपने गांव में ट्रेन की शुरुआत करने के लिए वह आंदोलन करता है। वह एयरफोर्स तक जॉइन करता है, मगर इसी बीच उसके पिता बीमारी में गुजर जाते हैं। पिता से पटती नहीं थी और वीर के दिल में यह बात रह जाती है कि वह महंगे एयर टिकट के कारण अपने पिता के अंतिम दर्शन नहीं कर पाया। बस यहीं से वह आम पब्लिक के लिए सस्ती एयरलाइन की शुरुआत करने की ठान लेता है। हालांकि, इस राह में खूब कांटे भी हैं, जिसका उसे पता नहीं चलता।

ये फिल्म हर किसी के लिए एक प्रेरणा

अब अगर इन दिनों आप अक्षय कुमार की फ्लॉप फिल्में देखकर बोर हो चुके हैं तो भी इसे देखने की वजह है। ये फिल्म हर किसी के लिए एक प्रेरणा की तरह है जो हमारी–आपकी तरह है और अपनी कोशिशों से समाज में बड़ा बदलाव लाने की ताकत रखता है।

मुंबई की सड़कों पर इलेक्ट्रिक स्कूटर दौड़ाते दिखे अर्जुन

अर्जुन कपूर ने अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा है। मुंबई की सड़कों पर वह ये स्कूटर उड़ाते दिखे। उन्होंने ये भी बताया है कि ये स्कूटर उनकी कौन सी जुगाड़ है। वे जल्द ही श्सिंघम अगेनश और श्मेरी पत्नी का रीमेकश में नजर आएंगे।

बॉलीवुड से लेकर फिल्मी सितारे तक बड़ी–बड़ी गाड़ियों का शौक रखते हैं। अर्जुन कपूर ने अपने लिए पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा है। अर्जुन कपूर अपनी नई स्कूटर के सामने नारियल फोड़ते दिख रहे हैं। वहां उन्हें पपाराजी ने भी घेर रखा है। अर्जुन ने अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में उनकी लखटकिया स्कूटर रेड कार्पेट पर नजर आ रही है और एक्टर सामने नारियल फोड़ते दिख रहे हैं। इसी दौरान वो पपाराजी से मजाक–मस्ती भी करते दिख रहे हैं।

अर्जुन ने बताया- क्यों खरीदा स्कूटर

अर्जुन कपूर पहले तो पपाराजी को मिठाइयां बांटते हैं। इसके बाद उन्हें बताते दिख रहे हैं कि उन्होंने आखिर ये स्कूटर क्यों खरीदा है। वह कहते हैं– ये लोग बाइक पे घूमते हैं न और हमको फॉलो करते हैं, इस बार इनसे बचने के लिए मैंने जुगाड़ किया है। इसके बाद पपाराजी उन्हें राइड करने को कहते हैं।

पपाराजी की तरफ ही स्कूटर को रेस करते दिखे

अर्जुन बाइक पर बैठकर पपाराजी की तरफ ही स्कूटर को रेस करते दिखते हैं। वो उनसे मस्ती में पूछते भी हैं– दूं रेस? वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म सिंघम अगेनश में नजर आनेवाले हैं। रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ, श्वेता तिवारी जैसे कई कलाकार हैं। ये फिल्म दिवाली पर 1 नवंबर, 2024 को रिलीज हो रही है। यह शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है।

सिंघम अगेन के अलावा मेरी पत्नी का रीमेक में

हालांकि, सिंघम अगेन के अलावा अर्जुन भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह के साथ कॉमेडी–ड्रामा श्मेरी पत्नी का रीमेकश में भी नजर आएंगे। इसे निर्देशक मुदस्सर अजीज ने निर्देशित किया है।

बिना दवाई कंट्रोल होगा कोलेस्ट्रॉल, लाइफस्टाइल में करें बदलाव

बदलती लाइफस्टाइल और गलत तरीके के खान-पान की वजह से लोग कोलेस्ट्रॉल जैसी कई समस्याओं के शिकार हो रहे हैं। शरीर में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से धमनियों में ब्लॉकेज का जोखिम होता है। इसलिए इसको नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में आप अपनी जीवन शैली में कुछ बदलाव करके हाइ कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल में रख सकते हैं।

वेट रखे मेंटेन
मोटापे से जूझ रहे लोगों में सबसे ज्यादा हाई कोलेस्ट्रॉल की परेशानी देखी जाती है। जब बॉडी में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है तो एचडीएल कोलेस्ट्रॉल जो हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है उसकी मात्रा कम होने लगती है। वजन को कम करने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर में सुधार हो सकता है। इसलिए अपने वेट को मेंटेन करके रखें।

हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण
इस बीमारी को खुद से दूर रखना जरूरी है। वरना हम कई अन्य गंभीर बीमारियों के भी शिकार बन सकते हैं। शरीर में बेड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने पर हाई ब्लड प्रेशर और वजन अधिक होने जैसी समस्या भी देखी जाती है। हाई कोलेस्ट्रॉल के खुद कोई खास लक्षण नहीं होते हैं। ऐसे में 20 या उससे अधिक उम्र के लोगों को हर 5 सालों में कम से कम एक बार ब्लड में कोलेस्ट्रॉल के लेवल की जांच करानी चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के मुख्य कारण
हमारे शरीर में कोलेस्ट्रॉल दो तरह के होते हैं। एक गुड कोलेस्ट्रॉल और दूसरा है बेड कोलेस्ट्रॉल। इसको हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया या हाइपरलिपिडेमिया और हाई कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है। जानवरों से बने फूड्स जैसे अंडे, दूध, मीट, पनीर और मक्खन के साथ सैचुरेटेड फैट को लेने से उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या हो सकती है। पैकेट बंद खाद्य पदार्थों जैसे बिस्किट, नमकीन और चिप्स का सेवन भी हाई कोलेस्ट्रॉल के कारणों में शामिल होता है। अधिक वजन के कारण भी एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है। जो लोग फिजिकल एक्टिविटी नहीं करते उनके शरीर में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए बैलेंस डाइट
कोलेस्ट्रॉल के जोखिम को कम करने के लिए भले ही आप दवाइयों का सहारा ले रहे हो लेकिन जीवन शैली में कुछ बदलाव आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल को हमेशा ठीक रखना चाहते हैं तो स्वस्थ भोजन खाएं। अपने डाइट में साबूदाना, मिलेट्स, लीन प्रोटीन, फल, सब्जियां इत्यादि जरूर शामिल करें। आहार में बदाम, अखरोट, एवोकाडो, अलसी के बीज और मछली जैसे ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर फूड्स को शामिल करें।

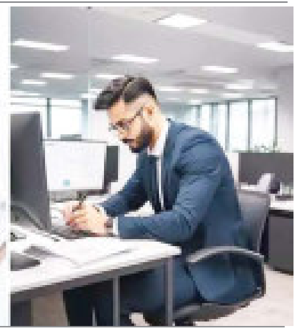

डायबिटीज है तो दफ्तर में फॉलो करें ये टिप्स, ब्लड शुगर लेवल रहेगा कंट्रोल

ब्लड शुगर लेवल हाई होने पर कुछ सामान्य लक्षण दिखाई देने लगते हैं जैसे बार-बार पेशाब आना, प्यास लगना, अधिक भूख लगा, थकान, चोट लगने पर जल्दी ठीक ना होना आदि। ऐसे में इन लक्षणों को पहचान कर व्यक्ति को तुरंत सावधानी बरतनी चाहिए अन्यथा भविष्य में यह कई गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है हाई शुगर लेवल के कारण आंखें किडनी और नसों को नुकसान पहुंचता है इसके अलावा इससे हार्ट डिसीज होने का भी खतरा बढ़ जाता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी सेहत से ज्यादा अपने काम को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में यह बीमारी गंभीर रूप ले सकती हैं। वहीं दूसरी ओर अगर आप उन लोगों में से हैं जो अपने काम और सेहत के बीच संतुलन बनाकर चलना चाहते हैं लेकिन आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं खासतौर पर अगर आपको डायबिटीज की शिकायत है तो हम आपको अपने काम के साथ अपनी सेहत का ध्यान रखने में भी मदद कर सकते हैं। अगर आपको डायबिटीज की शिकायत है तो आपको लगातार काम करने से बचना चाहिए। आप छोटे-छोटे ब्रेक लेते रहें जिससे आप रिलैक्स महसूस करें। आप 5 मिनट के लिए वॉक कर सकते हैं या फिर थकान महसूस होने पर आप आराम करें। इसके अलावा आप चाहे तो कोई हेल्दी स्नैक या ड्रिंक भी ले सकते हैं जिससे आप की एनर्जी लेवल बनी रहे। ऐसा करने से आप अपना काम बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

दिमाग की सेहत बिगाड़ देता है कोलेस्ट्रॉल, खत्म करें नसों में जमा गंदगी

कोलेस्ट्रॉल सीधे रूप से दिल के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, लेकिन इसका मेंटल हेल्थ पर भी उतना ही असर पड़ता है। दिमाग शरीर में कोशिका संरचना बनाए रखने, न्यूरोट्रांसमिशन को बेहतर बनाने और दिमागी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने जैसे कामों के लिए कोलेस्ट्रॉल पर डिपेंड है। हाई और लो दोनों कोलेस्ट्रॉल का लेवल मेंटल हेल्थ को रभावित कर सकते हैं। इससे दिमाग से जुड़े सभी कामकाज प्रभावित हो सकते हैं। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि कोलेस्ट्रॉल और मेंटल हेल्थ के बीच क्या संबंध है, कोलेस्ट्रॉल दिमाग को कैसे प्रभावित करता है, इससे दिमाग को क्या फायदे-नुकसान हो सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल एक वसा वाला पदार्थ है जो कुछ खाद्य पदार्थों में पाया जाता है और आपके शरीर द्वारा भी बनता है। ये वसा ही हैं जो शरीर को अधिक कोलेस्ट्रॉल बनाने का कारण बन सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल दो तरह का होता है- अच्छा और बुरा कोलेस्ट्रॉल। कोलेस्ट्रॉल और मेंटल हेल्थ के बीच संबंध को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि इससे आपको मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं और उपचारों को समझने में मदद मिल सकती है।

जब साथ में करेंगे 3 वर्कआउट, सारी बीमारियां होंगी दूर

रिपोर्ट के मुताबिक कार्डियोवैस्कुलर और सर्कुलेटरी सिस्टम के लिए चलना सबसे बेस्ट और आसान एकसरसाइज है। यह आपके दिल औरर फेफड़ों के फंक्शन को बढ़ाती है। ब्लड फ्लो सुधरता है और वजन कंट्रोल रहता है। यह आपके जोड़ों को नुकसान नहीं पहुंचाती है। लेकिन इसकी कमी यह है कि यह अपर बॉडी और कोर पर उतना प्रभाव नहीं डाल पाती। इसलिए साथ में 3 वर्कआउट करना जरूरत बन जाते हैं। चलने से मसल्स को उतनी मजबूती नहीं मिल पाती जिसकी जरूरत होती है। साथ ही यह अपर बॉडी की मसल्स पर ज्यादा प्रभाव नहीं डालती है। इसलिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग वर्कआउट को भी करना शुरू करें। शुरुआत के लिए पुश अप्स, पुल अप्स जैसी एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह वर्कआउट मसल्स इंबैलेंस से भी बचाता है। इससे पोस्चर में काफी सुधार होता है और मसल्स की इंजरी का खतरा कम होता है। कमर दर्द, मजबूत डायजेशन, वेट लॉस, किडनी हेल्थ, लिवर हेल्थ, स्पाइन की हेल्थ के लिए कोर वर्कआउट जरूरी है। यह वर्कआउट आपकी वॉकिंग को ज्यादा असरदार बनाने में मदद करेगा। इसके लिए प्लैंक, साइड प्लैंक और रशियन ट्विस्ट जैसी एक्सरसाइज का अभ्यास कर सकते हैं। यह आपके डायजेस्टिव और यूरिनरी ट्रैक्ट को मजबूत बनाता है।

मखाना खाने से आएगी अच्छी नींद, शरीर को मिलेंगे जबरदस्त फायदे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मखाने को फॉक्स नट्स या फिर लोटस सीड्स के नाम से भी जाना जाता है। इसका सेवन न सिर्फ व्रत में किया जाता है बल्कि यह बहुत ही हेल्दी और टेस्टी स्नैक भी होता है। इसमें ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो हमें स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होते हैं। मखाने को अलग अलग तरह से खाया जा सकता है। कुछ लोग मखाने की खीर खाते हैं, वहीं कुछ लोगों को घी में भुना हुआ मखाना स्नैक के रूप में पसंद होता है। हालांकि मखाना खाने में जितना स्वादिष्ट होता है उतना ही सेहत के लिए यह लाभकारी माना जाता है। आइए आपको मखाने के कुछ ऐसे फायदों के बारे में बताएंगे जो आपको हैरान कर देंगे और अगर आप मखाना नहीं खाते हैं तो सेहत के लिए इसके लाभ जानकर आप भी इसे अपनी डाइट में शामिल करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

नींद न आने की समस्या होगी दूर
रिसर्चगेट के अनुसार चूंकि मखाने में मैग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यह इंसोम्निया की शिकायत को दूर कर सकता है। अगर आप अपनी डाइट में मखाना शामिल करते हैं तो इससे मेंटल स्ट्रेस कम होगा और आपको नींद भी अच्छी आएगी। पर्याप्त नींद लेने से आप कई सारी शारीरिक समस्याओं से बच सकते हैं।

अहक्सीडेटिव स्ट्रेस होगा कम
मखाना एक ऐसा सुपर फूड है जो सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी

माना जाता है। इसमें भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो फ्री रेडिकल्स को कम करते हैं जिससे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाव होता है। यह सेल्स को डैमेज होने से भी बचाने का काम करते हैं।

कब्ज से मिलेगा छुटकारा
मखाने में फाइबर पाया जाता है, ऐसे में पेट के लिए यह बहुत ही अच्छा होता है। यदि आपको कब्ज की समस्या रहती है तो इसका सेवन करने से आपकी यह परेशानी दूर हो सकती है। यह आपके आंतों को भी हेल्दी रखने में मदद करता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद
मखाने का सेवन करने से स्किन और बालों को भी कई तरह के फायदे मिलते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो स्किन और बालों के लिए बहुत ही जरूरी है। मखाने में एंटी एजिंग गुण मौजूद होते हैं जो बढ़ती उम्र के साथ होने वाली समस्याओं जैसे झुर्रियां, झाइयां, दाग धब्बे आदि को कम करते हैं। इसे खाने से बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

वजन रहेगा कंट्रोल
मखाने में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है और इसमें फाइबर अधिक मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो मखाने का सेवन करने से आपको भूख कम लगेगी और इससे वजन घटाने में आपको मदद मिलेगी।

इन बीमारियों में भी लाभकारी
मखाने में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ऐसे में यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें सोडियम की मात्रा कम होती है और पोटेशियम अधिक पाया जाता है। इसलिए इसे खाने से ब्लड प्रेशर नॉर्मल रहता है। ब्लड प्रेशर सही रहने से हार्ट भी हेल्दी रहता है।

इंडिया ने लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीती

अब बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम ने एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया। अपने घर में लगातार सबसे ज्यादा 18बार टेस्ट सीरीज जीतने के मामले में भारतीय टीम टॉप पर हैं। भारतीय टेस्ट टीम के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम है, जिन्होंने अपने घर में दो बार लगातार 10 टेस्ट सीरीज जीतने का रिकॉर्ड बनाया था।

रोहित की कप्तानी में भारत का विराट कारनामा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से मात दी। कानपुर टेस्ट जीतने के साथ ही टीम इंडिया ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश का सूपड़ा साफ किया। इस टेस्ट सीरीज को जीतने के बाद टीम इंडिया ने अपने नाम एक महारिकॉर्ड दर्ज कराया। रोहित ब्रिगेड ने वह कारनामा कर दिखाया जो आजतक दुनिया की कोई भी टीम नहीं कर पाई। दरअसल, भारतीय टीम ने नवंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद अपने घर में एक बार भी हार नहीं झेली। बांग्लादेश के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज में जीत के बाद भारत ने यह रिकॉर्ड बरकरार रखा। बता दें कि 12 साल से टीम इंडिया अपने घर में कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। भारत ने घर में पिछले 51 टेस्ट मैचों में सिर्फ 4 मैच गंवाए हैं। वहीं, टीम इंडिया ने साल 2012 से लेकर अभी तक अपने घर में 40 टेस्ट मैच जीते। इस दौरान 7 टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुए। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज को मिलाकर बात करें तो 2013 से घरेलू मैदान पर भारत ने कुल 53 टेस्ट मैच खेलते हुए 42 मैचों में जीत दर्ज की, जबकि 4 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा।

भारत को फायदा, तो बांग्लादेश को डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में हुआ घाटा

बांग्लादेश की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 7वें पायदान पर खिसकी

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश का क्लीन स्वीप किया। टीम इंडिया ने इस टेस्ट सीरीज के जीतने के साथ ही अपने घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीतकर महारिकॉर्ड अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बड़ा बदलाव हुआ। डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल के टॉप पर भारत बरकरार है। बांग्लादेश पर मिली जीत के बाद टीम इंडिया को 12 अंक मिले।

दरअसल, भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में भारत को 280 रन से जीत मिली। पहले टेस्ट में टीम इंडिया की तरफ से आर अश्विन ने शतकीय पारी खेली। वहीं, रवींद्र जडेजा ने भी बल्ले से कमाल किया।

ऋषभ पंत ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शतक जमाया और शानदार वापसी की।

इसके बाद कानपुर में दूसरा टेस्ट खेला गया, जिसके शुरुआती तीन दिन बारिश ने मैच में बाधा डाली और चौथे दिन खेल सही तरह से खेला गया। चौथे दिन बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 146 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारतीय टीम ने चौथे दिन ही पहली पारी 285/9 पर घोषित कर दी। फिर दूसरी पारी में बांग्लादेश ने भारत पर 94 रन की लीड बनाई और भारत ने आसानी से 95 रन का लक्ष्य पूरा कर लिया। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2–0 से अपने नाम की।

बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत की स्थिति मजबूत हो गई है। भारतीय टीम अब भी पहले स्थान पर है। टीम ने अब तक 11 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 8 मैचों में जीत मिली है, जबकि दो मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। टीम के अभी 98 पॉइंट और जीत प्रतिशत 74.24 है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश की टीम का हार के बाद तगड़ा नुकसान हुआ।

बांग्लादेश की टीम टेस्ट सीरीज हारने के बाद सातवें पायदान पर खिसक गई है। बांग्लादेश के पास 33 प्वाइंट है और उसका जीत प्रतिशत 34.38 है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के नतीजे से पहले बांग्लादेश की टीम पांचवें स्थान पर थी। मैच जीतने पर 12 अंक दिए जाएंगे। मैच टाई होने पर 6, ड्रॉ होने पर 4 और हारने पर कोई अंक नहीं मिलेगा।

13 साल के बिहारी बाबू ने ऑस्ट्रेलिया की उड़ाई धज्जियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

58 गेंदों में शतक ठोक बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बिहार के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर–19 यूथ टेस्ट मैच में धमाल मचा दिया है। ओपनर बल्लेबाज सूर्यवंशी ने सिर्फ 58 गेंद में शतक ठोककर रिकॉर्ड बना दिया। सूर्यवंशी यूथ टेस्ट में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने का कारनामा किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी खेल के पहले दिन 47 गेंद में तेजतर्रार 81 रन पर नाबाद वापस लौटे थे। दूसरे दिन क्रीज पर आते ही सूर्यवंशी ने एक बार फिर से आतिशी पारी खेलकर अपना शतक पूरा कर लिया।

हालांकि, वैभव सिर्फ दो गेंद से मोइन अली के रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। यूथ टेस्ट मैच में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के मोइन अली के नाम है। मोइन अली ने सा 2005 में इंग्लैंड के लिए खेलते हुए यूथ टेस्ट में सिर्फ 56 गेंद में शतक ठोका था, लेकिन एक मामले में वैभव मोइन से आगे निकल गए। दरअसल वैभव यूथ टेस्ट में सबस कम उम्र में शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। वैभव ने 13 साल 188 दिन में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वहीं नजमुल हसन शंटो 14 साल की उम्र में यह कारनामा किया था।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार तब सुर्खियों में आए जब उन्होंने बिहार के लिए सिर्फ 12 साल की उम्र में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले वैभव अपनी तूफानी बैटिंग के लिए जाने जाते हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार खेल दिखाने वाले वैभव को भारत के यूथ टीम में चुना गया और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से कमाल कर दिया।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाने वाले वैभव ने विहान मल्होत्रा के साथ मिलकर एमए चिदंबरम स्टेडियम में टीम इंडिया को तूफानी शुरुआत दिलाई थी। खेल के पहले दिन दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर बिना कोई विकेट गंवाए 103 रन बनाए थे। इस में वैभव ने 81 रनों का योगदान दिया था जबकि विहान ने 37 गेंद में 21 बनाए थे।

देवदत्त पडिक्कल ने एक हाथ से लपका लिया अद्भुत कैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ईरानी कप 2024 का आगाज 1 अक्टूबर से हुआ है। रेस्ट ऑफ इंडिया और मुंबई के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में मैच खेला जा रहा है। इस मैच में रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए खेल रहे देवदत्त पडिक्कल ने एक ऐसा कैच लपका, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। उन्होंने धांसू कैच लपककर टीम को पहली सफलता दिलाई। देवदत्त के कैच का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने किसी और का नहीं बल्कि पृथ्वी शॉ का कैच लपका। मुंबई टीम के ओपनर पृथ्वी शॉ पहले मैच में ही सस्ते में आउट हो गए। दरअसल, रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने मुंबई टीम के खिलाफ मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ऋतुराज का ये फैसला कुछ ही देर में सही भी साबित होता हुआ नजर आया। मुंबई की टीम के ओपनर पृथ्वी शॉ ने तीसरे ओवर में ही अपना विकेट गंवाया।

न्यूज डायरी

हाथ गेंद में आते ही रविंद्र जडेजा ने पलट दिया मैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कानपुर। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन टीम इंडिया के धाकड़ गेंदबाज रविंद्र जडेजा ने कमाल कर दिया। टेस्ट मैच के अंतिम दिन जडेजा जैसे ही गेंदबाजी के लिए आए बांग्लादेशी बल्लेबाजों की हालत खराब हो गई। पहले सेशन में कप्तान रोहित शर्मा ने 27 ओवर के बाद जडेजा को गेंद थमाई थी। दिन के खेल में अपना पहला ओवर करने आए जडेजा ने दूसरी ही गेंद पर बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो को बोल्ड कर दिया।

नजमुल के विकेट के साथ ही बांग्लादेश की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। जडेजा के द्वारा लिया गया यह विकेट ही मैच का टर्निंग पॉइंट भी साबित हुआ। इसके अगले ही ओवर में क्रीज पर पैर जमा चुके शदमान इस्लाम को आकाशदीप सिंह ने आउट कर बांग्लादेश की कमर तोड़ कर रख दी। शदमान बांग्लादेश के लिए अर्धशतक भी लगा चुके थे। शदमान इस्लाम के विकेट के बाद रविंद्र जडेजा अपना दूसरा ओवर लेकर आए। इस ओवर के अंतिम गेंद पर उन्होंने लिटन दास को अपना शिकार बनाकर टीम इंडिया को छठी सफलता दिला दी। टेस्ट क्रिकेट में जडेजा ने लिटन दास को तीसरी बार आउट किया। लिटन को निपटाने के बाद जडेजा का अगला टारगेट बने अनुभवी शाकिब अल हसन। शाकिब अल हसन इस सीरीज में बिल्कुल भी लय में नहीं दिखे थे। वहीं कानपुर में जब वे बल्लेबाजी के उतरे तो जडेजा के खिलाफ बिना खाते खोले ही अपना विकेट गंवा बैठे।

पाकिस्तानी कप्तान की बीच प्रेस कॉन्फ्रेंस में हो गई बेइज्जती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद की एक पत्रकार ने बीच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बेइज्जती कर दी। शाम मसूद ने एक ऐसा सवाल किया जिसको सुन हर कोई हैरान हो गया और मसूद ने सवाल को सुनकर मुंह फेर लिया और इसका जवाब नहीं दिया। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ इसी महीने टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज पर सभी की नजरें हैं और टीम पर इस जीतने का दबाव भी है क्योंकि हाल ही में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को उसे उसके घर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–0 से पटखनी दी थी। इस सीरीज से पहले शान मसूद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे जिसमें एक पत्रकार ने उनसे तल्ख लहजे में सवाल कर दिया। कॉन्फ्रेंस में पत्रकार ने जो सवाल मसूद से पूछा उसका वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पत्रकार ने मसूद से पूछा, आपका कहना है कि पीसीबी आपको मौका देगा तो आप उन मौकों का फायदा उठाएंगे। लेकिन सभी खुद से खुद्दारी नहीं आती कि हार गए हैं, परफॉर्मेंस नहीं हो पा रहा है तो खुद से छोड़ दें। इस सवाल को सुनकर मसूद भौंचक्के रह गए। वह इस तरह के सवाल के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने तुरंत अपना मुंह दूसरी तरफ फेरा और पाकिस्तान के मीडिया मैनेजर से कुछ बात करने लगे। फिर मुस्कारने लगे और सवाल का जवाब नहीं दिया।

स्कॉटलैंड के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान को धोया, 23 रनों से दी पटखनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के इस समय बुरे दिन चल रहे हैं। इस टीम को जीत नसीब नहीं हो रही है। यूएई में खेले जा रहे महिला टी20 वर्ल्ड कप के वार्मअप मैचों में पाकिस्तान को जीत मिलना मुश्किल हो रहा है। पहले स्कॉटलैंड ने उसे मात दी। अब बांग्लादेश ने इस टीम को पटखनी दे दी है। बांग्लादेश ने दूसरे वार्मअप मैच में बांग्लादेश को 23 रनों से हरा दिया है। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट खोकर 140 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान 18.4 ओवरों में 117 रनों पर ही ढेर हो गई। बांग्लादेशी गेंदबाजों का पाकिस्तानी की बल्लेबाजी के पास कोई जवाब नहीं था। बांग्लादेश द्वारा 141 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम लगातार विकेट खोती रही। मुनेबा अली दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हो गईं। वह 11 रन ही बना सकीं। उनके बाद सिदा अमीन 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। उनका विकेट 37 रनों के कुल स्कोर पर गिरा। उनके बाद गुल फेरोजा 17 रन बनाकर आउट हो गईं। निदा दार 14 रनों से आगे अपनी पारी नहीं ले जा सकीं और रन आउट हो गईं। इराम जावेद बिना खाता खोले पवेलियन लौट गईं।

पेज थ्री देहरादून

उत्तराखंड इनोवेशन फेस्टिवल–2024 के पोस्टर का लोकार्पण करते हुए मंत्री सुबोध उनियाल।

देहरादून, बुधवार, 2 अक्टूबर 2024

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर सीएम ने श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी का जीवन और दर्शन हमें सत्य, अहिंसा और शांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गांधी जी ने अंग्रेजी शासन से देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने भारत की स्वतंत्रता और समानता के लिए संघर्ष किया। शिक्षा और सामाजिक सुधार के महत्व पर उन्होंने बल दिया। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती हमें उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करती है।

पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पी सीएम ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। शास्त्री जी की जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 'जय जवान जय किसान' का नारा देकर राष्ट्र को स्वाभिमान और एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होने का रास्ता दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री भारत माता के सच्चे सपूत थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। शास्त्री जी ने सार्वजनिक जीवन में सादगी, सत्यनिष्ठा, लगन, नैतिकता व राष्ट्र के प्रति समर्पण की अदभुत मिसाल कायम की। उनकी ईमानदारी और उच्च आदर्शों की प्रतिष्ठा हमेशा हमें प्रेरित करती रहेगी।

भू–कानून के लिए सर्वदलीय बैठक करे सरकारः मोहित

संवाददाता देहरादून। मूल निवास, भू– कानून समन्वय संघर्ष समिति ने भू–कानून और मूल निवास के लिए प्रदेश सरकार से सर्वदलीय बैठक करने की मांग की है। समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने मंगलवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब में हुई प्रेसवार्ता में कहा कि मूल निवास और भूमि कानून जनता की भावनाओं के अनुरूप होना चाहिए। विधानसभा में कानून पारित होने से पूर्व इसके ड्रॉफ्ट के स्वरूप को लेकर सर्वदलीय और संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के साथ सरकार चर्चा करे। डिमरी ने कहा कि 2022 में भू–कानून को लेकर सुभाष कुमार की अध्यक्षता में बनी कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। उद्योगों के नाम पर दी गई जमीनों का ब्योरा भी सरकार सार्वजनिक करे।

मानसून थमते ही चारधाम यात्रा ने फिर पकड़ ली रफ्तार

उत्साह

■ धामी सरकार के बेहतर यात्रा प्रबंधन ने जीता यात्रियों का विश्वास

■ इस यात्राकाल में अभी तक दर्शन को आ चुके हैं 38 लाख तीर्थयात्री

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश सरकार के बेहतर यात्रा प्रबंधन और सुरक्षा इंतजामों के चलते चार धाम यात्रा को लेकर यात्रियों में भारी उत्साह है। मानसून थमते ही यात्रा ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। बीते दिवस 30 सितंबर को 20497 श्रद्धालु चार धाम दर्शन को पहुंचे। इनमें केदारनाथ धाम में सर्वाधिक 7350 तीर्थयात्री पहुंचे। अभी तक के पूरे यात्राकाल की संख्या पर नजर दौड़ाएं तो करीब 38 लाख श्रद्धालु चारधाम दर्शन को आ चुके हैं। केदारघाटी आपदा से निपटने में सरकार ने पूरी ताकत झोंककर जिस तेजी से स्थिति को सामान्य बनाया है, उससे यात्रियों का सरकार के प्रति विश्वास गहराया है। यात्री पूरे उत्साह और आस्था के साथ बाबा केदार के दर्शन को उमड़ पड़े हैं।

सुगम, सुरक्षित, सुलभ और सुव्यवस्थित चारधाम यात्रा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश–विदेश से हर वर्ष लाखों श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आते हैं। यात्रियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। चारधाम यात्रा राज्य की आर्थिकी से भी जुड़ी है। राज्य में आज जिस तेजी के साथ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए हमें यात्रा व्यवस्थाओं को और विस्तार देना होगा। इसकी कवायद भी शुरू कर दी गई है। इस बार केदारघाटी आपदा के चलते व्यवस्थाएं प्रभावित हुई, लेकिन सरकार ने इस कठिन चुनौती का भी दृढ़तापूर्वक सामना कर केदार यात्रा को बहाल किया।

–पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड।

चारधाम यात्रियों की सुरक्षा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री के इस ध्येय वाक्य के अनुसार राज्य सरकार के यात्रा इंतजामों और व्यवस्थाओं का असर यात्रा पर दिखाई दिया है। केदारघाटी में 31 जुलाई को आई बड़ी आपदा का जिस प्रकार सरकार ने सामना किया, उसकी आम यात्रियों ने खुले दिल से तारीफ की है। पैदल मार्ग और पड़ावों पर फंसे यात्रियों और स्थानीय निवासियों को सुरक्षित निकालने में जरा भी देरी नहीं की गई। करीब 18 हजार लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचा दिया गया। यही नहीं केदारघाटी में आम जनजीवन को बहाल करते हुए पैदल यात्रा मार्ग को सुधार कर यात्रा भी शुरू कर दी गई। अब दूसरे चरण की यात्रा जोर पकड़ गई है। अक्टूबर और नवंबर माह में भी यात्रा के लिए बड़ी संख्या में यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। 30 सितंबर को हेमकुंड और गोमुख समेत 22 हजार 244 श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर पहुंचे। इनमें केदारनाथ के अलावा बदरीनाथ में 6811, गंगोत्री 3619, यमुनोत्री 2717, हेमकुंट 1632 और 115 श्रद्धालु गोमुख पहुंचे।

इस यात्राकाल में बीते दिवस 30 सितंबर तक कुल 37 लाख 91 हजार 205 यात्री चारधाम दर्शन को आ चुके हैं जबकि बीते वर्ष पूरे यात्राकाल में 56.13 लाख यात्री पहुंचे थे। इसी प्रकार वर्ष 2022 में 46.29 लाख और वर्ष 2019 में 34.77 लाख यात्री चारधाम दर्शन को पहुंचे। वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना संक्रमण के चलते यात्रा प्रभावित रही। इन दो वर्षों में यात्री संख्या क्रमशः 3.30 लाख और 5.29 लाख रही।

केदारघाटी में 31 जुलाई की रात आई भीषण आपदा का असर भी यात्रा पर पड़ा है। हालांकि धामी सरकार ने तेजी से राहत और बचाव कार्य करते हुए कुछ दिनों के अंतराल में ही आम जनजीवन को बहाल कर दिया लेकिन सुरक्षा कारणों से यात्रा को कई दिनों के लिए रोक दिया गया था।

बेहतर यात्रा प्रबंधन पर नजर

- ■केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर बनाए गए बीस पार्किंग स्थल। पार्किंग प्रबंधन के लिए एक क्यूआर कोड–आधारित प्रणाली।
- ■यातायात प्रबंधन के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती।
- ■यात्रा पर निगरानी के लिए 850 सीसीटीवी कैमरे और 8 ड्रोन।
- ■यात्रियों की सुविधा के लिए 56 पर्यटन सहायता केंद्रों की स्थापना।
- ■ट्रैक रूट को साफ करने के लिए कुल 657 पर्यावरण मित्रों की तैनाती।
- ■स्वास्थ्य विभाग की ओर से यात्रा मार्ग पर 50 स्क्रीनिंग कियोस्क की स्थापना। स्वास्थ्य मित्र हैं तैनात।
- ■यात्रा मार्ग पर 156 एम्बुलेंस तैनात। 8 ब्लड बैंक और 2 भंडारण इकाइयां स्थापित 49 स्थायी स्वास्थ्य सुविधाएं और 26 चिकित्सा राहत पोस्ट।
- ■22 विशेषज्ञ, 179 चिकित्सा अधिकारी और 299 पैरामेडिकल स्टाफ तैनात।

गार्बेज वर्नेबल प्वाइंट को न्यून करने को युद्धस्तर पर कार्यवाही जारी

समीक्षा

■डीएम प्रतिदिन कर रहे हैं मॉनिटिरिंग, बढा रहें हैं संसाधन एवं कार्मिकों का मानोबल

संवाददाता

देहरादून। नगर निगम देहरादून अंतर्गत सफाई व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल निरंतर प्रयासरत हैं। जिलाधिकारी ने शहर में सार्वजनिक स्थलों से कूड़ा उठान एवं गार्बेज प्वाईंट का समाप्त करते हुए सफाई व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में नगर निगम द्वारा अतिरिक्त 16 टैक्टर ट्राली के साथ ही 48 कार्मिक और लगाये जा रहे हैं। गार्बेज वर्नबल प्वाईट को न्यून करने को युद्धस्तर पर कार्यवाही गतिमान, डीएम स्वयं कर रहे हैं प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा। जिलाधिकारी सफाई व्यवस्थाओं की स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सफाई व्यवस्था पर जिलाधिकारी सख्त रुख अपनाएं हुए है जिसके फलस्वरुप सफाई व्यवस्था में ढिलाई बरतने पर संबंधित कंपनियों तथा कूड़ा फैलाने के जिम्मेदार संस्थानों, ठेकेदारों आदि पर निरंतर अर्थदंड की कार्रवाई की जा रही। वहीं एक वाहन को ईकान वेस्ट मैनेजमेंट सोल्यूशन्स प्रा0लि0 के नाम का लोगो लगाकर मेडिकल वेस्ट ले जाते हुए पकड़ा गया है जिसके विरुद्ध थाना पटेलनगर में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिलाधिकारीध्प्रशासक निर्देश के क्रम आज उप नगर आयुक्त एवं अन्य निरीक्षणकर्ता अधिकारियों के द्वारा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत डोर टू डोर कूड़ा एकत्रिकरण व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मै0 इकॉन वाटरग्रेस वेस्ट मैनेजमेन्ट सर्विस प्रा0लि0 द्वारा आवंटित वार्डों में प्रतिशत ही रूट कवरेज करने की दशा में उनके मासिक बिल से रू0 27,440.00 (सत्ताईस हजार चार सौ चालीस रूपये मात्रे) की कटौती की जायेगी। मण्डी सचिव को निर्देशित किया गया कि निरंजनपुर मण्डी में बाहर से सिंगल यूज प्लास्टिक की पैकिंग में कोई भी सब्जी, फल आदि मण्डी तक न पहुंचे, इस संबंध में अपने स्तर से प्रभावी कार्यवाही करें।

राज्य आंदोलन के अमर शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखा जायेगाः सीएम

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों का भावपूर्ण स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरनगर कांड (रामपुर तिराहा) की बरसी की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा कि राज्य आंदोलन के अमर शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखा जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आन्दोलनकारियों के बलिदान और संघर्ष के परिणामस्वरूप ही उत्तराखण्ड अलग राज्य बना। राज्य आन्दोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य विकास के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड राज्य को देश का आदर्श राज्य बनाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना है, जिससे कि राज्य आन्दोलन के शहीदों के सपनों के अनुरूप प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया जा सके।

In a Digital World Why To wait for a Howker

Visit Us at https://www.page3news.co.

Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code

Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के. प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।